दिनांकः 09.05.2019

''कृष्णा पब्लिक स्कूल, नेहरू नगर, भिलाई के 'समर स्पलैश' का अनोखा समापन''

कृष्णा पब्लिक स्कूल, नेहरू नगर, भिलाई में दिनांक 30 अप्रैल 2019 से चल रहे दस–दिवसीय समर कैंप का समापन दिनांक 09 मई 2019 को हर्षोल्लास के साथ हुआ।

समर कैंप के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिदिन जुंबा, फनगेम, आर्टक्राफ्ट आदि की कक्षा के द्वारा उनमें छिपी विभिन्न कलाओं को उकेरने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस कैंप में सभी ने अपने सपनों को पूरा करने हेतु मुश्किलों को पार कर लक्ष्य तक पहुँचने की मंशा प्रकट की। तदुपरांत डांस, फैशनशो, पुलपार्टी का प्रदर्शन किया गया।

बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने तथा उन्हें स्वस्थ एवं ऊर्जावान बनाए रखने हेतु जुंबा डांस सिखाया गया। बच्चों के हर्ष एवं उल्लास ने सभा में समां बांध दी। आर्ट क्राफ्ट में बच्चों ने मिट्टी के सुंदर–सुंदर पात्र बनाकर अपने मन की भावनाओं को रंगों के माध्यम से उकेरा। जिसमें 3 वर्ष से लेकर 13 वर्ष तक के भिलाई के विभिन्न स्कूलों से आए करीब 70 बच्चों ने क्ले मॉडलिंग, क्ले केलीग्रॉफी, पोटरीवर्क, स्क्रेप मटेरियल से प्रतिदिन कलात्मक वस्तुओं का शिक्षकों ने प्रशिक्षण दिया, जिसे बच्चों ने बना कर अपनी कला का प्रदर्शन किया और सबका मन मोह लिया।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी शाला की प्राचार्या श्रीमती सविता त्रिपाठी, उपप्राचार्या श्रीमती रीता थामस ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कम समय में ही उच्चकोटि के अनूठे प्रदर्शन की सराहना की।

उन्होंने कहा कि बच्चों के भीतर छिपी हुई विलक्षण प्रतिभा एवं नियमित कार्यों से हटकर बहुत कुछ नया सिखने और करने का अवसर प्रदान करना ही इस कैंप का उद्देश्य रहा है। कैंप के माध्यम से खेल–खेल में ही सामूहिक एकता तथा अनुशासन की भावना का जो विकास हुआ है इस कार्यक्रम से परिलक्षित होता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती शालिनी बेदी, श्रीमती रीता थॉमस उपस्थित थी।

इस दस दिवसीय समर कैंप में पुलपार्टी आकर्षण का केंद्र रहा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए अवार्ड समारोह का आयोजन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया जिसमें श्रुति देवांगन, दिविशा मेनन, सौम्या मिश्रा, श्रेया देवांगन, शायसा वामरे, सुहानी, एकता, चेतिका साहु, गायत्री, मनेश्वरी, सूर्यांश, राघव राठी, अध्यान गुप्ता, लक्ष्य आदि थे।

कार्यक्रम को सफल रूप से सम्पन्न कराने में विशेष रूप से शाला की हेडमिस्ट्रेस श्रीमती मोनिका सेन, श्रीमती माया मिश्रा, श्रीमती शिल्पी त्रिपाठी का योगदान रहा ।

जिसमें शाला की श्रीमती ज्योति शर्मा, श्री प्रकाश उमरे, श्रीमती धनेश्वरी साहू, श्री कामता प्रसाद, श्री भुनेश्वर साहू, राजेश्वरी, श्री संघर्ष, श्रीमती मनीषा, स्वाति सोनी, रश्मि नायर, विनीता व अन्य शिक्षक–शिक्षिकाओं का योगदान सराहनीय रहा।

63